28 Feb 22 Seminar on Creating a Sustainable Road Map for FPOs in India held at ICFAI University

LTB लोकतंत्र भारत | राज्य | रांची, बुधवार 02 मार्च 2022 | 06

इक्फाई विश्वविद्यालय में भारत में एफपीओ के लिए एक सतत् रोड मैप बनाना पर संगोष्ठी आयोजित

लोकतंत्र संवाददाता

रांची: इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में भारत में एफपीओ के लिए एक सतत रोड मैप बनाना पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। उद्घाटन सत्र में उपस्थित अतिथियों में डॉ ओंकार नाथ सिंह, कुलपति, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, डॉ जी नरेंद्र कुमार, महानिदेशक, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी एंड पीआर), हैदराबाद, डॉ अमर केजेआर नायक, प्रोफेसर, जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर और श्री सुब्रत कुमार नंदा, महाप्रबंधक, नाबार्ड, रांची क्षेत्रीय कार्यालय के उपस्थित थें। संगोष्ठी के दौरान कई शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान से डॉ संगप्पा और सुश्री मनु श्री संध्या को मिला। उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा, कोविड-19 महामारी के बावजूद, सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान 2019-20 में 17.8% से बढ़कर 2020-21 में 19.9% हो गया। इस गति को बनाए रखने के लिए, किसानों की आय में पर्याप्त वृद्धि करना आवश्यक है ताकि कृषि को लाभदायक बनाया जा सके। किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) इनपुट की लागत कम करके, कृषि उत्पादकता में सुधार और मूल्य प्राप्ति में वृद्धि करके भारतीय कृषि को बदलने के लिए गेम चेंजर हो सकते हैं। पीडब्ल्यूसी और टैरिना द्वारा एफपीओ प्रभाव अध्ययन रिपोर्ट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, हालांकि अब तक स्थापित एफपीओ से किसानों को फायदा हुआ है, वहीं एफपीओ के कामकाज में सुधार करने की जरूरत है ताकि किसानों को इसमें शामिल होने और बेहतर बनाने के लिए इसे और अधिक आकर्षक बनाया जा सके।

रांची, मंगलवार 01.03.2022 | खबर मन्त्र | 03

झारखंड में सामूहिक प्रयासों से किसानों की आय को तीन गुना करने की जबरदस्त क्षमताः डॉ ओंकार नाथ

इक्फाई विवि का भारत में एफपीओ के लिए एक सतत रोड मैप बनाना विषयक संगोष्ठी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में सोमवार को भारत में एफपीओ के लिए एक सतत रोड मैप बनाना विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। उद्घाटन सत्र में उपस्थित अतिथियों में डॉ ओंकार नाथ सिंह, कुलपति, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, डॉ जी नरेंद्र कुमार, महानिदेशक, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान हैदराबाद, डॉ अमर केजेआर नायक, प्रोफेसर, जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर और श्री सुब्रत कुमार नंदा, महाप्रबंधक, नाबार्ड, रांची क्षेत्रीय कार्यालय के उपस्थित थे। संगोष्ठी के दौरान कई शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान से डॉ संगप्पा और सुश्री मनु श्री संध्या को मिला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बावजूद, सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान 2019-20 में 17.8% से बढ़कर 2020-21 में 19.9% हो गया। इस गति को बनाए रखने के लिए, किसानों की आय में पर्याप्त वृद्धि करना आवश्यक है, ताकि कृषि को लाभदायक बनाया जा सके। किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) इनपुट की लागत कम करके, कृषि उत्पादकता में सुधार और मूल्य प्राप्ति में वृद्धि करके भारतीय कृषि को बदलने के लिए गेम चेंजर हो सकते हैं।

नाबार्ड ने बेहतर क्रेडिट लिंकेज के लिए एफपीओ ने किसान को जोड़ा : डॉ ओंकार नाथ सिंह ने कहा झारखंड में सामूहिक प्रयासों के माध्यम से फलों, सब्जियों और तसर रेशम जैसे कृषि उत्पादों के उत्पादन को बढ़ाकर किसानों की आय को तीन गुना करने की जबरदस्त क्षमता है। झारखंड में एफपीओ की सफलता सुनिश्चित करने के लिए नाबार्ड के प्रयासों की व्याख्या करते हुए सुब्रत कुमार नंदा ने कहा कि नाबार्ड ने बेहतर क्रेडिट लिंकेज के लिए एफपीओ नबकिसान को जोड़ा है और मूल्य निर्धारण जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी साझा करने के लिए एपीडा और ईएनएएम के साथ लिंक करने की योजना है।

दैनिक भास्कर | रांची 02-03-2022

इक्फाई यूनिवर्सिटी में सेमिनार

किसान उत्पादक संगठन इनपुट घटा कर बन सकते हैं गेम चेंजर : राव

रांची | इक्फाई यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बावजूद सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान 2019-20 में 17.8% से बढ़कर 2020-21 में 19.9% हो गया। इस गति को बनाए रखने के लिए किसानों की आय में पर्याप्त वृद्धि करना आवश्यक है। किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) इनपुट की लागत कम कर, कृषि उत्पादकता में सुधार व मूल्य प्राप्ति में वृद्धि करके भारतीय कृषि को बदलने के लिए गेम चेंजर हो सकते हैं। वे सोमवार को इक्फाई विवि में एफपीओ के लिए सतत रोड मैप बनाने विषयक संगोष्ठी में बोल रहे थे। मौके पर डॉ ओंकार नाथ सिंह ने कहा, झारखंड में सामूहिक प्रयासों से फल, सब्जियां व तसर रेशम जैसे कृषि उत्पादों के उत्पादन से किसानों की आय को तीन गुना करने की जबरदस्त क्षमता है। एनआईआरडी के डॉ जी नरेंद्र कुमार, डॉ. अमर केजेआर नायक, सुब्रत कुमार नंदा ने भी संबोधित किया। सेमिनार में कई शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

सन्मार्ग | रांची, बुधवार, 02 मार्च 2022 | www.live7tv.com | 04

इक्फाई विवि में भारत में एफपीओ के लिए सतत रोड मैप बनाने पर संगोष्ठी

छाया : सन्मार्ग

संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में भारत में एफपीओ के लिए एक सतत रोड मैप बनाने पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की गई। संगोष्ठी के दौरान कई शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान से डॉ संगप्पा व मनु श्री संध्या को मिला। उद्घाटन सत्र के दौरान कुलपति प्रो ओ आर एस राव ने कहा, कोविड-19 महामारी के बावजूद, सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान 2019-20 में 17.8% से बढ़कर 2020-21 में 19.9% हो गया। इस गति को बनाए रखने के लिए, किसानों की आय में पर्याप्त वृद्धि करना जरूरी है। ताकि कृषि को लाभदायक बनाया जा सके। किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) इनपुट की लागत कम करके, कृषि उत्पादकता में सुधार और मूल्य प्राप्ति में वृद्धि करके भारतीय कृषि को बदलने के लिए गेम चेंजर हो सकते हैं। पीडब्ल्यूसी और टैरिना द्वारा एफपीओ प्रभाव अध्ययन रिपोर्ट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अब तक स्थापित एफपीओ से किसानों को लाभ हुआ है। वहीं एफपीओ के कामकाज में सुधार करने की जरूरत है ताकि किसानों को इसमें शामिल होने और बेहतर बनाने के लिए इसे और आकर्षक बनाया जा सके। डॉ ओंकार नाथ सिंह ने कहा कि झारखंड में सामूहिक प्रयासों के माध्यम से फलों, सब्जियों और तसर रेशम जैसे कृषि उत्पादों के उत्पादन को बढ़ाकर किसानों की आय को तीन गुना करने की जबरदस्त क्षमता है।

इक्फाई विश्वविद्यालय में एफपीओ के लिए रोड मैप विषयक संगोष्ठी आयोजित

एसपीओ के कामकाज में पारदर्शिता जरूरी : प्रो. ओआरएस राव

विशेष संवाददाता

रांची। राजधानी स्थित ? इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में ÷भारत में एफपीओ के लिए एक सतत रोड मैप बनाना÷ विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। उद्घाटन सत्र में उपस्थित अतिथियों में डॉ. ओंकार नाथ सिंह, कुलपति, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, डॉ. जी नरेंद्र कुमार, महानिदेशक, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी एंड पीआर), हैदराबाद, डॉ. अमर केजेआर नायक, प्रोफेसर, जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर और सुब्रत कुमार नंदा, महाप्रबंधक, नाबार्ड, रांची क्षेत्रीय कार्यालय के उपस्थित थे। संगोष्ठी के दौरान कई शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान से डॉ. संगप्पा और मनुश्री संध्या को मिला।

उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.ओआरएस राव ने कहा, ÷कोविड-19 महामारी के बावजूद सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान 2019-20 में 17.8 प्रतिशत से बढ़कर 2020-21 में 19.9 प्रतिशत हो गया। इस गति को बनाए रखने के लिए किसानों की आय में पर्याप्त वृद्धि करना आवश्यक है ताकि कृषि को लाभदायक बनाया जा सके। किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) इनपुट की लागत कम करके, कृषि उत्पादकता में सुधार और मूल्य प्राप्ति में वृद्धि करके भारतीय कृषि को बदलने के लिए गेम चेंजर हो सकते हैं। पीडब्ल्यूसी और टैरिना द्वारा एफपीओ प्रभाव अध्ययन रिपोर्ट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ÷हालांकि अब तक स्थापित एफपीओ से किसानों को फायदा हुआ है, वहीं एफपीओ के कामकाज में सुधार करने की जरूरत है, ताकि किसानों को इसमें शामिल होने और बेहतर बनाने के लिए इसे और अधिक आकर्षक बनाया जा सके।

खाद्यान्न के अधिशेष वाले देश बनने में भारत की सफलता पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. ओंकार नाथ सिंह ने कहा, ÷झारखंड में सामूहिक प्रयासों के माध्यम से फलों, सब्जियों और तुसर रेशम जैसे कृषि उत्पादों के उत्पादन को बढ़ाकर किसानों की आय को तीन गुना करने की जबरदस्त क्षमता है। डॉ. जी. नरेंद्र कुमार, डीजी, एनआईआरडी और पीआर ने एफपीओ आंदोलन को बनाए रखने के लिए एफपीओ के सदस्यों के बीच नेतृत्व के पोषण के महत्व पर प्रतिभागियों को प्रभावित किया। डॉ.अमर केजेआर नायक ने कृषि उत्पादों और सेवाओं के बेहतर डिजाइन के साथ-साथ अधिक गहन सामाजिक कनेक्शन और व्यावसायिक बातचीत द्वारा लेनदेन क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया।

झारखंड में एफपीओ की सफलता सुनिश्चित करने के लिए नाबार्ड के प्रयासों को व्याख्या करते हुए सुब्रत कुमार नंदा ने कहा, ÷नाबार्ड ने बेहतर क्रेडिट लिंकेज के लिए एफपीओ ने किसान को जोड़ा है और मूल्य निर्धारण जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी साझा करने के लिए एपीडा और ईएनएएम के साथ लिंक करने की योजना है। हम परामर्श परियोजनाओं और नेतृत्व के लिए क्षमता निर्माण के लिए इक्फाई विश्वविद्यालय जैसे भागीदारों के साथ काम करने के इच्छुक हैं।

समापन सत्र के दौरान, स्वामी अंतरानंद जी, सहायक सचिव, राम कृष्ण मिशन आश्रम ने एफपीओ सदस्यों को मूल्यों के साथ काम करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ.अरुण कुमार, निदेशक, आईसीएआर, पूर्वी क्षेत्र और डॉ. रमेश मित्तल, निदेशक, एनआईएएम, जयपुर ने भी समापन सत्र को संबोधित किया।

प्रो. अरविन्द कुमार, रजिस्ट्रार, ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। डॉ. भगवत बारिक, सहायक डीन के नेतृत्व में प्रबंधन अध्ययन संकाय के संकाय सदस्यों ने संगोष्ठी का समन्वय किया।

रांची, मंगलवार
01.03.2022
प्रभात खबर
14

कोरोना में जीडीपी में कृषि का योगदान बढ़ा है : प्रो राव

रांची. इक्फाइ विवि, झारखंड में भारत में एफपीओ के लिए एक सतत रोड मैप बनाना विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई. विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बावजूद, सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान 2019-20 में 17.8 प्रतिशत से बढ़कर 2020-21 में 19.9 प्रतिशत हो गया. इस गति को बनाये रखने के लिए किसानों की आय में पर्याप्त वृद्धि करना आवश्यक है. बीएयू के कुलपति डॉ ओंकार नाथ सिंह ने कहा कि झारखंड में सामूहिक प्रयासों के माध्यम से फलों, सब्जियों और तसर रेशम जैसे कृषि उत्पादों के उत्पादन को बढ़ाकर किसानों की आय को तीन गुणा करने की जबरदस्त क्षमता है. इस मौके पर डॉ जी नरेंद्र कुमार, जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट भुवनेश्वर के प्रोफेसर अमर केजेआर नायक, सुब्रत कुमार नंदा, रामकृष्ण मिशन आश्रम के सहायक सचिव स्वामी अंतरानंद, आइसीएआर पूर्वी क्षेत्र के निदेशक डॉ अरुण कुमार और डॉ एनआइएएम जयपुर के निदेशक रमेश मित्तल मौजूद थे. सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार डॉ संगप्पा और मनुश्री संध्या को मिला.

Morning India
For TV, e-paper & news visit: www.live7tv.com
Ranchi, Wednesday
March 2, 2022

Seminar on 'Creating a Sustainable Road Map for FPOs in India' held at ICFAI University

RANCHI: A two days National Seminar on "Creating a Sustainable Road Map for FPOs in India" was conducted at ICFAI University, Jharkhand. Guests of Honour that were present at the inaugural session included Dr. Onkar Nath Singh, Vice-Chancellor, Birsa Agricultural University, Dr. G. Narendra Kumar, Director General, National Institute of Rural Development & Panchayati Raj (NIRD&PR), Hyderabad, Dr. Amar KJR Nayak, Professor, Xavier Institute of Management, Bhubaneswar and Sri Subrat Kumar Nanda, General Manager , NABARD, Ranchi Regional Office. A number of research papers were presented during the seminar. The best paper award went to Dr Sangappa and Ms Manue Sri Sandhya, from Indian Institute of Millet Research.

Welcoming the participants during the Inaugural Session, Prof O R S Rao, Vice Chancellor of the University said, "Despite the COVID-19 pandemic, contribution of agriculture to GDP increased from 17.8% in 2019-20 to 19.9% in 2020-21. In order to sustain this momentum, it is essential to increase the farmers' income substantially so as to make agriculture profitable. Farmer Producer Organisations (FPO) can be game changer to transform Indian agriculture by reducing cost of inputs, improving

farm productivity and enhancing price realizations." Referring to the FPO impact study reports by PWC and TARINA, he said, "While the FPOs set up so far, benefited the farmers, there is need to improve the functioning of the FPOs by making it more attractive for farmers to join them and improving leadership of FPOs,by drawing lessons from co-operative movements in milk and sugar".

Highlighting the success of India in becoming a country with surplus of food grains, Dr. Onkar Nath Singh said, "Jharkhand has tremendous potential to triple farmers' income by scaling up production of Agri products like fruits, vegetables and Tusar Silk, through collective efforts. "Dr. G. Narendra Kumar, DG, NIRD & PR impressed on the participants on the importance of nurturing leadership among the members of the FPO in order to sustain the FPO movement. Dr. Amar KJR Nayak, focused on enhancing the transaction efficiencies by better design of farm products and services, coupled with more intense social connections and business interactions.

Explaining the efforts of NABARD to ensure success of FPOs in Jharkhand, Sri Subrat Kumar Nanda said, "NABARD has linked the FPOs NABKISAN for better credit linkage and plan to link with APEDA and ENAM for information sharing on important aspects like pricing . We are keen to work with partners like ICFAI University for consulting projects and capacity building for leadership".

During the valedictory session, Swami Antaranadanji, Asst Secretary, Rama Krishna Mission Ashram highlighted the need for the FPO members to work with values. Dr Arun Kumar, Director, ICAR, Eastern Region and Dr Ramesh Mittal, Director, NIAM, Jaipur also addressed the valedictory session.

Prof Arvind Kumar, Registrar, proposed Vote of Thanks. Faculty members of Faculty of Management Studies, led by Dr. Bhagabat Barik, Asst Dean, co-ordinated the seminar.